

|  |  |
| :---: | :---: |
|  |  |
|  |  |
| oceive the judgment of the court than |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
| d |  |
| 10 arrango the matuer and gi |  |
|  |  |
| Uhe |  |
|  |  |
| 1 who stasisi in the act the uxarper of |  |
|  |  |
|  |  |
| ation |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
| d, my body may be consigned to thenon jail, my life itself may be forfeited, |  |
|  |  |
| but I will be true to the iustincts of $m y$ nature true to the home of myand to the mother that bore me. |  |
|  |  |
| TLe Girst political lesoon which my ripe ated was the hight moral and social obi gation of every citizan to bow himself to |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
| and tolerates tho refugo which remen somentlimes seek in the magnauimity of thecirjudges. |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
| Clristaing of the Imperiul Priner.The chiritening of the Imperial Prince |  |
|  |  |
| Lhas taken pitice. The procesion to theclurch was gandy aud magniticent. The |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  over which was suspendel from the top |  |
|  |  |
| the blue vaulied roof a rich parple capope of spangled with bees. On one side on a row of |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
| The certinask, in crimsan, on wimoteon op tween, was phaeen a throwio for tho Empreto |  |
|  |  |
|  |  |
| and Emprow. Thaonanid of luateo Auy their nggit on lue riave of the chirch. Th |  |
| the Legislative and Senatorial bodies, the thousands of beantiful wornen in those de |  |
|  |  |
|  |  |
| veils, were all asembled, the effeet ofligtt was tejond measuro enthantin. |  |
|  |  |
|  |  |
|  | pres |  |
|  |  |  |
|  |  |
|  |  |  |  |
| in his it wttered a lone, loud, sharp, bat still of thes French, and his |  |
|  |  |  |  |
|  |  |
|  |  |  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |






## S. W GILLILAND


$\qquad$
and


| 1 |
| :---: |
|  |
|  |
|  |
|  |
|  |
|  |



MISCELLANEOUS BOOKS,


NEW MUSIC FOR THE PIAN
Detiven 500 and 1,000 new


$$
500 \text { REWARD. }
$$

|  |
| :---: |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |
|  |  |

## 

|  | Notic |
| :---: | :---: |
| A | momile |
| - | Tomat miam |

D. OWEN

| I |
| :---: |
|  |  |

Look Oat for Boarding,
SESERBER Hin opened tho ho


India Chologegue.

## 

iny in ind

J. M. ELFORD, MAGISTRATE;

## 

IT SULCIVAN \& TRMMMERE

